यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2019

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 5

अंक 100+3-103

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो ¼✓½ सही या ¼X½ गलत करें। ¼ ½

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. निम्न गाथाओं को पूर्ण करो- **30**

A. वयं .....

.....

..... जहा।

B. तीसे .....

.....

..... संपडिवाइओ।

C. सोवच्चले .....

.....

..... आमए।

D. से पुढ़वि वा .....

.....

..... सलागए वा।

E. सोच्चा .....

.....

..... समायरे।

F. सत्कर्म .....

.....

..... नष्ट हो।

G. कर्म न काया .....

.....

..... महान।

H. आस्तां .....

.....

..... भञ्जि।

I. इत्थं .....

.....

..... विकाशिनाऽपि।

J. उग्गय सुरे .....

.....

..... सहसागारेणं।

प्रश्न 2. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **15**

A. दशवैकालिक की रचना किसने की?
.....।

B. दूसरे अध्ययन का क्या नाम है?
.....।

C. किसने समझाकर किसको धर्म में स्थिर किया। (दूसरा अध्ययन)

.....।

D. क्या करने से पाप कर्म नहीं बंधते हैं?

.....।

E. तत्त्व किसे कहते हैं?

.....।

F. परमाणु व प्रदेश में क्या अन्तर है?

.....।

G. लोक किसे कहते हैं?

.....।

H. जीव के ग्रहण योग्य वर्गणायें कितनी हैं?

.....।

I. किन वर्गणाओं को जीव ग्रहण करता है?

.....।

J. वर्गणा किसे कहते हैं?

.....।

K. कर्म किसे कहते हैं?

.....।

L. आहारक शरीर किसे प्राप्त होता है?

.....।

M. सबसे कम अवगाहना, प्रदेश अधिक कौनसी वर्गणा मे हैं?

.....।

N. कषाय के निमित कौनसा बंध होता है?

.....।

O. वेदनीय कर्म किसे कहते हैं?

.....।

.....।

प्रश्न 3. मुझे पहचानो– **10**

A. मैं शराबी के समान हूँ–
.....।

B. चाटने से सुख, जीभ कटने से दुख होता है।
.....।

C. मेरे बंध का क्षण अत्यन्त सूक्ष्म होता है।
.....।

D. ज्ञान में अन्तराय देना मेरे बंध का कारण है।
.....।

E. मै भूत हूँ?
.....।

F. मै कहता हूँ वही करता हूँ?
.....।

G. मेरे समान कोई तपस्वी नहीं।
.....।

H. मैं अपनी आयुष के 6 माह पूर्व आयु का बंध करता हूँ।
.....।

I. मैंने अपने देवर को धर्म में स्थिर किया।
.....।

J. मैंने पूर्व भव में कपट करके स्त्रीवेद का बंध किया।
.....।

प्रश्न 4. जोड़ी मिलाओ– **10**

A. वीर्य	1. वेदना
B. परिग्रह	2. प्रदेश
C. अन्तराय	3. मिट्टी
D. आहार	4. पुरुषार्थ
E. प्रकृति	5. मनक
F. भाषा	6. श्रेणिक
G. तीखा	7. आसक्ति

H. स्वयंभव 8. पवनकुमार

I. अनाथी 9. मीठा

J. अजना 10. बाघा

प्रश्न 5. ज्ञान हानि के 4 कारण लिखो– 2

.....

.....।

प्रश्न 6. ज्ञान वृद्धि के 4 कारण लिखो– 2

.....

.....।

प्रश्न 7. श्रावक के 2 गुण लिखें– 2

.....

.....।

प्रश्न 8. उच्च गोत्र बंध के कितने कारण हैं लिखिए– 2

.....

.....।

प्रश्न 9. देवायु बंधने के 4 कारण लिखिये– 3

.....

.....

.....

.....।

प्रश्न 10. प्रत्याख्यान में रखे जाने वाले 4 आगार लिखे– 2

.....

.....।

प्रश्न 11. संख्या में उत्तर दीजिये- **10**

A. वेदनीय कर्म बंध के कितने कारण हैं?

.....।

B. आयु कर्म बंध के कितने कारण हैं?

.....।

C. ज्ञान वृद्धि के कितने कारण हैं?

.....।

D. साधु के कितने अनाचार हैं?

.....।

E. भक्तामर स्तोत्र में कितनी गाथायें हैं?

.....।

F. श्रावक जी कितने गुणों के धारक होते हैं?

.....।

G. नरकायु बंधने के कितने कारण हैं?

.....।

H. सोपक्रम आयु के कितने कारण हैं?

.....।

I. ग्रहण योग्य वर्गणायें कितनी हैं?

.....।

J. लोक कितने रज्जू का है?

.....।

प्रश्न 12. निम्न गाथा का भावार्थ लिखिये- **12**

A. धम्मो मंगलमुक्कट्ठं, अहिंसा संजमो तवो।
देवा वि तं नमंसंति, जस्स धम्मे सया मणो।।

.....

.....

.....

.....।

B. तीसे सो वयणं सोच्चा, संजयाए सुभासियं।
अकुंसणे जहा नागो, धम्मे संपडिवाइओ।।

.....

.....

.....

.....

.....।

C. आयावयंति गिम्हेसु, हेमंतेसु अवगुता।
वासासु पडिसंलीणा, संजया सुसमाहिया।।

.....

.....

.....

.....

.....।

D. जयं-चरे जयं चिट्ठे, जयमासे जयं सुंवे।
जयं भुंजंतो भासंतो, पांव कम्मं न बंधई।।

.....

.....

.....

.....

.....।